DADHEECH INTERNATIONAL
TRADE FOUNDATION INITIATIVE

IMPRINT

वर्ष - 2, अंक-18, जून 2022

kaleidoscope of thoughts and vision

DADHEECH INTERNATIONAL TRADE FOUNDATION

DITF BULLETIN

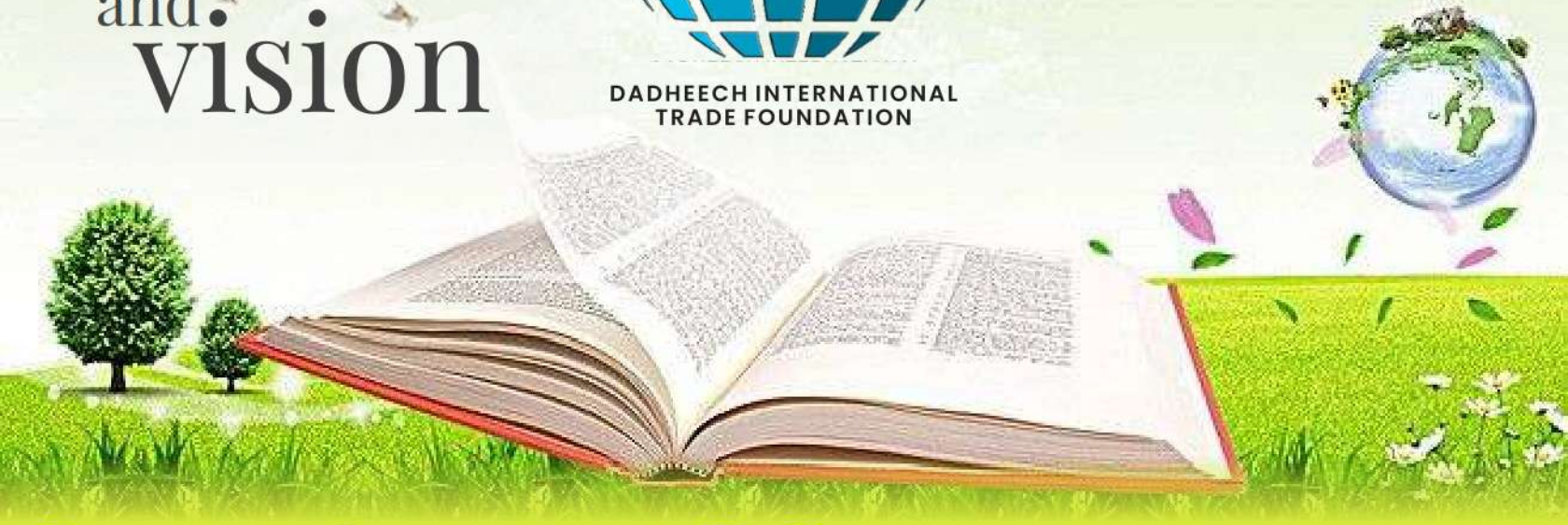

Get The Latest Scoop On This Month's Trends

OUR MOTTO
Sharing is Caring

Empowering Ideas
Amalgamation Of Learning

JUNE EDITION

संपादक

डॉ. तरुणा दाधीच

फाउंडर प्रेसिडेंट

देवेश दाधीच

प्रकाशक

शोभा दाधीच

E-mail- dadheech@ditfindia.org

सम्पादकीय आलेख

लाओ अपना हाथ....

लाओ अपना हाथ
नए क्षितिज तक चलेंगे।
हाथ में हाथ डालकर सूरज से मिलेंगे।

कविवर भवानी प्रसाद मिश्र की इन काव्य पंक्तियों में एक सुनहरे भविष्य का सपना है। वैसे ही एक उत्तम और सुनहरे भविष्य निर्माण हेतु डीआईटीएफ के सूत्रधार देवेश जी दाधीच ने युवा वर्ग को हाथ बढ़ाकर आमंत्रित किया। परिजनों में श्रेष्ठ काव्यकारों और गायकों को एक मंच प्रदान कर किया है। गत माह में आयोजित म्यूजिकल नाइट के अद्भुत आयोजन ने सभी को आह्लादित कर दिया। अखिल भारतीय कवि सम्मेलन के विजेताओं द्वारा कविता प्रस्तुति, श्रेष्ठ तथा पुरस्कृत नृत्यांगनाओं द्वारा नृत्य प्रस्तुति और गायक कलाकारों ने अपनी प्रतिभा का श्रेष्ठ प्रदर्शन किया। डीआईटीएफ द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर रहे युवाओं और युवतियों को सम्मानित भी किया गया। भूतपूर्व आईएएस अधिकारी मनोज जी शर्मा के वक्तव्य ने प्रेरित और उत्साहित तो किया ही उनकी हास्य परक बातों में छिपी प्रेरणा वास्तव में अद्भुत थी। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि भजन सम्राट अनूप जलोटा जी ने भी भजन प्रस्तुति कर सभी का मन मोह लिया। इस कार्यक्रम में समाज के गौरव ओम व्यास जी को 'डीआईटीएफ लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड' से सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम के छायाचित्र आप देख सकते हैं और यू-ट्यूब पर भी इस कार्यक्रम को देखकर हमारे परिजनों का हौसला वर्धन कर सकते हैं इसी के साथ भविष्य में आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों में अपनी सक्रिय भागीदारी दे सकते हैं। आप सभी के सहयोग से और आप सभी की शुभेच्छाओ से डीआईटीएफ दिन-रात प्रगति करें और हमारे सारे समाज की प्रतिभाओं को श्रेष्ठ मंच मिलता रहे।

जून माह हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि पर्यावरण दिवस इस माह का श्रेष्ठ दिन है अतः इस अंक में आप सभी के लिए पर्यावरण से संबंधित अनेक रोचक तथ्य और जानकारियां सम्मिलित की गई है।

संपादक की कलम से.....

डॉ.तरुणा दाधीच
मुख्य संपादक

महोत्सव

अलबेलो राजस्थान
आपणी माटी-आपणी संस्कृति

दाधीच इंटरनेशनल ट्रेड फाउंडेशन द्वारा भव्य 'सुर संगम' संपन्न

DITF
DADHEECH INTERNATIONAL TRADE FOUNDATION

कई कलावंत हुए सम्मानित

मुंबई, अपने समस्त समाज के हित-विकास और कलात्मक सम्मान हेतु समर्पित संस्था दाधीच इंटरनेशनल ट्रेड फाउंडेशन (डीआयटीएफ) द्वारा 14 मई की शाम को मुंबई स्थित पुपिल्स स्कूल खार एजुकेशन सोसायटी में सांस्कृतिक संगीत कार्यक्रम 'सुर संगम' बडी धूमधाम से संपन्न हुआ।

उक्त संस्था के संस्थापयक-अध्यक्ष व सीए देवेश दाधीच ने बताया कि इस कार्यक्रम में मुंबई के अलावा देश-विदेश से गणमान्य एवं कलावंत व्यक्तियों की उपस्थिति से कार्यक्रम यादगार बन गया है।

अपने क्षेत्र में विशिष्ट कार्यों के लिए फाउंडेशन ने मशहूर भजन गायक ओम व्यास को कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भजन सम्राट पद्मश्री अनूप जलोटा के हाथों लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड शॉल, श्रीफल तथा धनराशि 51,000/- देकर उन्हें सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कला-सांस्कृति क्षेत्र के नामचीन लोगों की उपस्थिति रहीं।

सुप्रसिद्ध भजन गायक अनूप जलोटा मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम में उपस्थित रहे। अन्य बडे कलाकारों में शामिल नागपुर शहर के गौरांग कृष्णा दायमा भी उल्लेखनीय हैं, जिन्होंने अपने गीत प्रस्तुत किये। आकाशवाणी के किशन शर्मा भी उपस्थित रहे। श्री जलोटा और देवेश दाधीच द्वारा इस अवसर पर ओम व्यास को सम्मानित किया गया। श्री जलोटा द्वारा गौरांग दायमा को भी सम्मानित किया गया।

सम्मानित होनेवाले कलावंतों में उल्लेखनीय है, गरिमा दायमा (जर्मनी), किशन शर्मा (रेडियो, नागपुर), अक्षिता दाधीच (भीलवाडा), भुवनेश्वरी बिसावा (मुंबई), पंकज रतावा (मुंबई), अंकिता रतावा (चिपलुन), पूजा अतुल पेडवाल (धूलिया), अनिल ओझा (भोपाल), जीतेंद्र दाधीच (सुजानगढ) तथा करिश्मा दाधीच (मुंबई)।

इस अंतरांष्ट्रीय मंच पर नागपुर का नामरोशन करने के लिए दाधीच समाज के कई सदस्यों द्वारा दायमा को बधाई दी गयी। अन्य और कलात्मक लोगों को इस प्रतिष्ठित फाउंडेशन द्वारा सम्मानित किया गया। अपनी अंतर्राष्ट्रीय संस्था के बाबत सीए देवेश दाधीच का कहना है कि हम महर्षि दधीचि के वंशज हैं। सोच तो विश्वस्तरिय रहेगी ही। अपने समाज के विकास और सम्मान को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहुंचाने जाने के लिए ही हमने यह संस्था स्थापित की है। भगवान और आदि जनक का आशीष हम पर बना रहे, सब कुछ बेहतर और विशेष हो।

ज्ञात हो कि उक्त फाउंडेशन (डीआयटीएफ) एक स्वयंसेवी संस्था है, जो मुख्य रूप से ज्ञान और कौशल विकास के क्षेत्र में कार्य करती है। विभिन्न विषयों में जागरूकता फैलाने के लिए क्रिकेट, चित्रकला, कहानी प्रतियोगिता आदि का आयोजन करती रहती है। युक्त कार्यक्रम बहुत ही यादगार रहा। दाधीच इंटरनेशनल ट्रेड फाउंडेशन के संस्थापक अध्यक्ष देवेश दाधीच ने सभी का आभार व्यक्त किया।

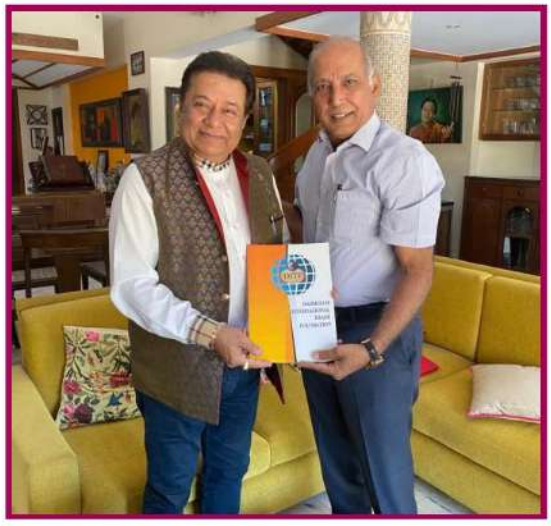

With Anup Jalota Ji

With Kishan Sharma ji

Honouring Shri Rajesh Sharma
President of Mumbai Dadhich Samaj by
CA Jamnesh Acharya and Ms Shweta Acharya

Kisan Choksey Chairman of KRC
Hoksey shares and Securities pvt ltd and
Ex President Bombay Stock Exchange being
honoured by IAS Manoj Sharma ji & Rajesh Sharmaji

CA Bharat Sanghavi and Mrs Bharti Sanghavi
CFO of Peninsula Land Ltd being honoured by
CA Sunil Adukiya ji.

IAS Manoj ji Sharma being Honoured by
DITF Couple CA Harshit Dadhich and
Mrs Uma Harshit Dadhich

Rajkumar Saksеriya ji being honoured by IAS Manoj Sharma ji

Shri Arun khanna Chairman of khanna group of companies and Mrs Madhu khanna ji being honoured by CA Chandrashekhar Choubey Partner D.Dadheech and Co Chartered Accountants

Music composer of our DITF sur sangam 2022 Mr Sunil Bari being honoured by Mr and Mrs Rahul Dadheech

Mr Mohan Radhakrishnan ji being honoured by Mr and Mrs Sachin Agarwal

गौरांग दायमा सम्मानित

गौरांग दायमा को सम्मानित करते गायक अनूप जलोटा व उपस्थित अन्य अतिथि.

नागपुर। 19 मई। लोस सेवा

अंतरराष्ट्रीय व्यापार फाउंडेशन दाधीच इंटरनेशनल ट्रेड फाउंडेशन (डीआईटीएफ) मुंबई ने हाल में मुंबई में एक सांस्कृतिक और संगीत कार्यक्रम का आयोजन किया. इस दौरान देश -विदेश के कुछ लोगों को शिरकत करने के लिए चुना गया. बहुत लोगों ने दुनिया भर से इस कार्यक्रम में भाग लिया.

इस कार्यक्रम में संगीत जगत की कई जानी-मानी हस्तियों ने शिरकत की. जिनमें से एक पद्मश्री अनूप जलोटा, भजन गायक ओम व्यास एवं आकाशवाणी के किशन शर्मा भी थे. नागपुर शहर के गौरांग कृष्णा दायमा ने इस अवसर पर गीत प्रस्तुत किए.

अनूप जलोटा के हाथों गौरांग दायमा का अभिनंदन एवं ट्राफी प्रदान कर पुरस्कृत किया गया. अंतरराष्ट्रीय मंच पर नागपुर का नाम रोशन करने के लिए दाधीच समाज के कई सदस्यों द्वारा उन्हें बधाई दी गई.

DITF

DITF

DITF

DITF
TRADE FOUNDATION

दाधीच इंटरनेशनल ट्रेड फाउंडेशन द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम मुंबई में धूमधाम से संपन्न

पदमश्री अनूप जलोटा , भजन सम्राट ओम व्यास, रेडियो मेन किशन शर्मा सी.ए . देवेश दाधीच व अन्य हस्तियाँ रहीं उपस्थित

लोकप्रिय भजन गायक श्री ओम व्यास को लाइफ टाइम अचीवमेंट सम्मान से सम्मानित करते हुए मंच पर पदमश्री अनूप जलोटा व संस्था के DITF के संस्थापक अध्यक्ष देवेश दाधीच व अन्य अतिथि

मुंबई : समाज के प्रति अपने दायित्वों हेतु समर्पित संस्था दाधीच इंटरनेशनल ट्रेड फाउंडेशन (DITF) द्वारा मुंबई में १४ मई २०२२ को मुंबई के प्यूपिल स्कूल खार एजुकेशन सोसाइटी में शाम के समय सांस्कृतिक संगीत का कार्यक्रम अत्यंत ही धूमधाम से सम्पन्न हुआ.

संस्था के संस्थापक अध्यक्ष व सी.ए. देवेश दाधीच ने बताया कि इस कार्यक्रम में मुंबई के अलावा देश और विदेश से लोगों की उपस्थिति ने कार्यक्रम में चार चाँद लगा दिया.

अपने क्षेत्र में किये गए विशिष्ट कार्यों के लिए फाउंडेशन ने प्रसिध्द शख्सियत ओम व्यास को लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड शाल,श्रीफल व् धनराशि देकर उन्हें सम्मानित किया.

प्रसिध्द भजन गायक अनूप जलोटा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे. देवेश दाधीच ने बताया कि समाज में अपने कार्यों द्वारा लोगों को प्रेरित करने हेतु व्यक्तित्व को उनके योगदान के लिए उनका सम्मान करती है. अभी तक विभिन्न विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा ५० से ज्यादा वेबिनार आयोजित किये जा चुके हैं.

आये हुए दर्शकों ,अतिथिगण ने इस न भूलने वाली संगीतमय सांस्कृतिक कार्यकम का भरपूर आनंद उठाया.

> " स्वयं सेवी संस्था दाधीच इंटरनेशनल ट्रेड फाउंडेशन मुख्य रुप से ज्ञान और कौशल विकास के क्षेत्र में कार्य करती है . विभिन विषयों में जागरुकता फ़ैलाने के लिए क्रिकेट,चित्रकला, कहानी प्रतियोगिता का आयोजन करती रहती है. "

Akshita Dadhich

Ankita Ratawa

Pankaj Ratawa

Gaurang Dayma

Pooja Atul Pedwal

Karishma Dadheech

Anil Ji Ojha

Jitendra Dadhich

Bhuvnaeshwri Bisava

Om Ji Vyas

Kishan ji Sharma

Dr. Garima Dayma

पर्यावरण

- मोनिका आचार्य
भीलवाड़ा

पर्यावरण मनुष्य के स्वस्थ जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
पर्यावरण सभी जीवों को एक प्राकृतिक घर या आश्रय प्रदान करता है।
हालांकि , हम सभी ने अपनी आरामदायक जीवन शैली के लिए बेहतर सुविधाएं पाने हेतु जगह का उपयोग किया है. घरों के नि र्मा ण के लिएआवश्यक सामग्री केवल हमारे पर्यावरण से ही आती है इसीलिए प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग हमें सीमित मात्रा में करना चाहिए। भौतिक विकास के पीछे दौड़ रही दुनिया ने कोरोना के दौरान जरा ठहर कर सांस ली तो एहसास हुआ की चमक दमक के फेर में क्या कीमत चुकाई जा रही है।
आज ऐसा कोई भी देश नहीं है जो पर्यावरण संकट पर मंथन नहीं कर रहा हो। भारत भी इनमें से एक चिंतित देश है। लेकिन जहां दूसरे देश भौतिक विकास के लिए अपना सब कुछ लुटा चुके हैं , वहीं भारत के पा स आज भी बहुत कुछ बाकी है। क्योंकि भारतीय परम्पराएं ,भारतीय संस्कृति पर्यावरण का महत्वपूर्ण संदेश देती है। पश्चिम के देशों ने प्रकृति को हद से ज्यादा नुकसान पहुंचाया है। पेड़ काटकर जंगल के कंक्रीट खड़े करते समय उन्हें अंदाजा नहीं था कि इसके क्या गंभीर परि णा म हो गे ?
प्राचीन समय से ही भारत के वैज्ञानिक ऋषि -मुनियों को प्राकृतिक संरक्षण और मानव के व्यवहार की गहरी जानकारियां थी। वह जानते थे कि मानव अपने क्षणिक लाभ के लिए कई मौकों पर गंभीर भूल कर सकते हैं। हिंदू धर्म में प्राकृतिक पूजन को संरक्षण के तौर पर मान्यता है - पेड़ की तुलना संतान से की है और नदी को मां स्वरूप माना गया है , ग्रह नक्षत्र पहाड़ और वायु देव के रूप माने गए हैं। हमारे पर्यावरण के विभिन्न घटक हवा से शुद्धि करण और सभी के लिए ऑक्सीजन उपलब्ध करते हैं। मनुष्य अपने जीवन के दौरान विभिन्न बीमारियों से पीड़ित रहता है और हमें विभिन्न प्रकार की दवाइयां इसी पर्यावरण से मिलती है। आयुर्वेदिक दवाइयां पौधों से पैदा होती है जबकि एलोपैथिक दवाइयां कृत्रिम रूप से तैयार हो ती है या प्राकृतिक संसाधनों निकाली जाती है. इस प्रकार किसी भी मामले में दवाइयां पर्यावरण से ही आती है इसीलिए पर्यावरण को औषधियों का घर कहा जा सकता है। अतः आप और हम सभी मिलकर पर्यावरण संरक्षण पर ध्यान दें,कहा भी गया है-

पर्यावरण बचाओ ।
धरती को स्वर्ग से सुंदर बना ओ ।।

Shree Guru Ganpati Investment

Franchise of SMC Global Securities Limited

Contact Us for

- Investment &Trading in Stocks, Futures and Options
- NSE, BSE & Mutual Fund
- Online account opening available

Contact Details

Jitendra Dadheech
S/O Shri Ramesh Chandra Dadheech

(M) 9414354404
Address - D 206, Nai Abadi,
Kankroli Rajsamand, Rajasthan 313324

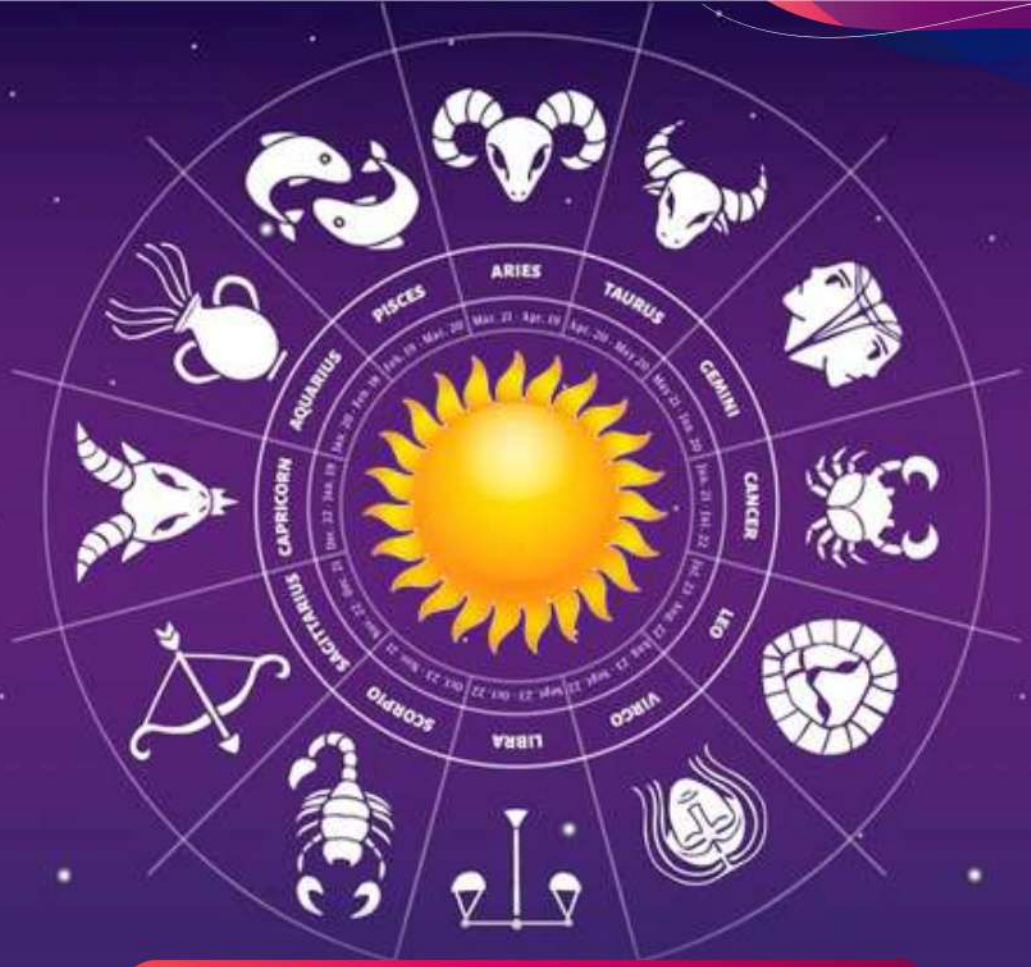

फलादेश - 1 जून से 30 जून तक

- शशि अनिल दायमा

मेष : राहु शुक्र की युति प्रेम को बढावा देगी। आत्मसम्मान मिलेगा। पुत्र की चिंता सताएगी।

वृषभ : धंधे मे तेजी का माहोल बनेगा। छोटे भाई- बहन को तकलीफ हो सकती है। पैसे का लेन देन का व्यवहार न करे।

मिथुन : दशम का गुरु सबको फल दायी होगा। पढ़ाई के लिए उत्तम साथ देगा। नौकरी के लिए बढ़ोत्तरी होंगी।

कर्क : अष्टम का शनि और दशम का राहु और वक्री बुध के कारण बिजनस और नौकरी में नुकसान देगा। गाड़ी धीमी चलाए।

सिहं : शादीशुदा जिंदगी मे तनाव रहित वातावरण होगा। नए बिजनस करने वाले को सावधानी बरतनी होंगी।

कन्या : मंगल के कारण सेहत पर खराब असर होगा। गुरु शुक्र के कारण विवाह योग की संभावना होंगी।

तुला : वक्री बुध के कारण बिजनस में नुकसान होगा कोर्ट-कचहरी में नुकसान होगा। शत्रु पीड़ा होगी।

वृश्चिक : शनि के कारण माता - पिता को तकलीफ होगी। बच्चों को पढ़ाई में अच्छा अवसर होगा। मेष का राहु तबीयत को खराब कर सकता है।

धनु : चतुर्थ का गुरु ग्रह कलेश देगा। बुध और राहु के कारण व्यापर मे वृद्धि होगी। रुके हुए काम होंगे।

मकर : द्वितीय शनि के कारण नए मकान , प्रॉपर्टी योग की संभावना होगी।

कुंभ : राशि का शनि और धन का गुरु सामान्य फल देंगे। रुके हुए काम पूर्ण होंगे। गाड़ी धीमी चलाए।

मीन : गुरु और मंगल की युति के कारण पति और पत्नी में कलह का माहोल रहेगा। व्यापार मे नुकसान होने की संभावना है।

-Manish dadhich
Kota

As the organic content of soil are decreasing day-by-day and due to this, soil is turning into sand. This leads to

1/ Food Crisis: - In next 20 years ~41% less food is predicted to be produce for ~10 billion peoples, poor soil means poor nutrition resultant > 2 billion people suffering with multiple disease.

2/ Change in Climate: - soil plays very important role in maintaining good climate condition due to its Carbon content, if the soil is not revitalised, they could release 850 billion tonnes of CO_2 into atmosphere, which may be top contribution of climate change.

3/ Water Scarcity: - exhaust soils cannot absorb and regulate water flows, this leads to water scarcity, floods, and dry spell. Soil organic matter can hold up to 90% of its weight in water and can release it very slowly over a period.

4/ Loss of biodiversity: - this has been declared or proofed by scientists that ~27.5 K species of life forms are dead due to loss of habitat. Loose of biodiversity will further damage the soil habitat, thus prevents soil regeneration.

5/ Loss of livelihood: - Due to depletion in soil, everyday around 28 people dependent on farming die by suicide in India. ~ 75% of poor are directly or indirectly affected by land degradation globally.

6/ Migration of People: - Increasing population leading to scarcity of food and water, due to this, 1 billion population is migrating from one region and countries to another.

Why Financial literacy is Important ??

-Akansha dadhich
B.COM, M.COM, M.A (ECO)
Pursuing career in the field of education.

In this rapidly changing global environment, financial literacy is one of the most under-Influenced skills that could determine the countries' future.

At macro level Government have experts who can analyse the financial requirement of the country. However the problem arises at micro level as people are still not aware about financial literacy and its importance.

India comprises of 20% of the world's population. Yet, only 24% of Indian population is financially literate. Rest does not know or understand the pressing need of managing finances is scary for a country that depends on the economy for its development. The survey reports that Financial Literacy in India has been significantly poor compared to the rest of the world.

Financial literacy refers to understanding the basic financial concepts and effectively managing the personal finances, Budgeting, Savings, Debts and Investments. Learning about finances is a life skill that can definitely explain you to use your money wisely.

It is very important to inculcate this habit from your early age, so that to understand the basics of managing money. This will enhance their ability to make better financial decisions. You should always be smart enough about what you have to do with your money. Governing your money in an efficient way can give you high returns in future.

COVID-19 Pandemic has put millions of life into danger people lost their jobs and savings.The Pandemic not only affected us mentally, emotionally or physically but also financially. This made people more aware about the need of effectively saving and investing their money for an unexpected rainy day.Country and the people are now in the path of recovery and they are holding together their strength and building their lives and finances in most appropriate ways.

The need for financial literacy arises mainly when young people, who have just started their careers, find it challenging to manage their finances and end up spending more than they are earning.Stepping into the vicious debt trap increases the probability of not having enough to provide for themselves and their families. Later, when they realize the importance of financial education, it becomes less valuable since they already have a debt to repay.

• Therefore, the National Centre for Financial Education(NCFE) would spread awareness about primary financial products, such as bank accounts, to link new users to the financial sector. Moreover, the initiative would educate the existing users in the financial industry to make informed decisions. Lastly, NCFE would also ensure customer protection from risks and fraud by making them vigilant.

Apart from NCFE there are many other apps, learning platform and classes conducted to provide financial literacy to youngsters and also to adults. So, that they can wisely think before taking a debt or making any kind of investment.

In this increasing era of Inflation, Understanding to make sage financial decision can reduce the number of death caused due the vicious cycle of debt & will help to reduce stress and anxiety among the Indian population.Considering the need of financial literacy will not only help you build wealth for the long term but also protect you and your family in case of emergencies.

Learning about finances is way more crucial than we actually think. At least gaining knowledge he/she can understand the value and importance of money in this fast growing Era, about this from your early age is very important.Even a child from the age of 10 years must start to get financial education, so that and this will definitely make them think wisely while spending and saving money when they grow up.

• Including financial education at the school level would be an efficient way to tackle the menace of financial illiteracy. Moreover, the government would not have to worry about educating the upcoming generations about managing their finances responsibly at later stages in their lives.In fact Financial Curriculum in school should be considered as the most important subject.

• Apart from school level there are many other online platforms that provide financial education to the Children. Educating children on real life issues will surely raise a youth that has sensible approach to make better financial decision, eventually benefiting the whole economy at the end of the day.

Even government has taken measures towards financial literacy so that to strengthen the backbone at both marco and micro level. Efforts have also been taken to spread awareness and increase financial literacy among small businesses as well.It has become important agenda of the government and the various regulatory bodies such as: RBI, SEBI, IRDAI, PFRDA to focus and take steps on enhancing financial education for everyone.

CONCLUSION

Financial abilities could lead to general economic growth and increase in National income of the Economy. A financially savvy India would be a big global influence.Being financially literate is a skill that brings forth an assortment of benefits that can improve the standard of living for individuals through an increase in financial stability. Ultimately, a lesser financial burden implies more financial and mental freedom.Must have a better financial approach, towards better financial future.

"BE YOUR PERSONAL MONEY MANAGER"

Best wishes message from
below put in our all bulletin issues:

MANJU KAMAL PODDAR

AMFI CERTIFIED
MUTUAL FUND DISTRIBUTOR

504 D, SUMIT SAMARTH ARCADE,
B WING, AAREY ROAD, GOREGAON
WEST,MUMBAI – 400104.

9867066252
mkp0496@gmail.com

NO MATTER HOW MUCH
YOU EARN

WE HAVE SAVINGS PLANS
FOR EVERYONE

Financial Advisor and Health Planner
Adity Dadheech
8108973815
aditydadheech@outlook.com

रोचक तथ्य

- हिमांशु आचार्य
कक्षा-12, मुम्बई

5 जून को सम्पूर्ण विश्व में पर्यावरण दिवस मनाया जाएगा। पर्यावरण का हमारे अस्तित्व हेतु कितना महत्व है इस बात से हम सभी भिज्ञ हैं आइए पर्यावरण से संबंधित कुछ रोचक तथ्यों से आपका परिचय करवाता हूं:-

1-रिपोर्टों के अनुसार, दुनिया भर में 90% से अधिक लोगों को स्वच्छ हवा नहीं मिलती है।

2-2030 तक वायु प्रदूषण से मुख्य फसल की पैदा वा र में 26 प्रतिशत की कमी हो सकती है।

3-प्रतिदिन उपयो ग में आने वा ले प्लास्टि क का एक ति हा ई का भी ठीक से निपटा रा नहीं होता है, जो नालियों को बंद करके पर्यावरण को नुकसान पहुँचाता है।

4-प्लास्टिक पूरी तरह से विघटित होने से पहले एक हजार से अधिक वर्षों तक पर्यावरण में बनी रह सकती है।

5-प्लास्टि क गैर-नवी करणीय हैं और इसका निर्माण और विघटन व्यक्तियों , और पर्यावरण को कई प्रकार से नुकसान पहुँचाता है।

6-प्लास्टिक, कुल कचरे का 10% होता है। इसका आधा डिस्पो जेबल या एक बार उपयोग होने वाला प्लास्टिक हो ता है। हर साल दुनि या में 5 ट्रिलियन प्लास्टिक बैग का उपयोग किया जाता है।

7-पिछले दशक में हमने पूरी पिछली शताब्दी की तुलना में अधिक प्लास्टिक का उत्पादन किया है।

8-विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून को मनाया जाता है 1972 में संयुक्त राष्ट्र संघ ने स्वीडन में सर्वप्रथम 5 जून से 16 जून तक पर्या वरण सम्मेलन आयोजित किया था जिसमें 119 देशों ने भाग लिया था इसीलिए 5 जून को हर वर्ष विश्व पर्यावरण दि वस मना या जाता है।

माँ

तुम गीता हो या पुराण ,
तुम खुदा हो या कुरान हो,
तुम जो भी हो
पर मेरे लिए तुम्हारे चरणों में
मेरी जन्नत का जहान हो।

भगवान को मैंने कभी देखा नहीं
और ना ही देखना चाहा कभी,
क्योंकि तुम्हारे आगे तो मां
उसका औरा भी कुछ नहीं।

हर जन्म में मुझे तू मिले
चाहे सुख मिले या दुख मिले,
तेरे चरणों की धूल में मुझे
सारे संसार की खुशियां मिले।
मुझे जिंदगी चाहे छोटी मिले या बड़ी मिले
पर जब बात तेरी उम्र की हो मां
तो मेरी उम्र भी तुझमें जा मिले।

-अंकिता कुदाल
सीए फाइनल छात्रा
उदयपुर

प्रकृति का संरक्षण स्वयं के अस्तित्व का संरक्षण है।

डॉ. श्वेता मिश्रा
उदयपुर

प्रकृति का संरक्षण स्वयं के अस्तित्व का संरक्षण है ।प्रकृति द्वारा प्रदत्त संसाधन और पर्यावरण हमारे जीवन और अस्तित्व का आधार है हालांकि आधुनिक सभ्यता की उन्नति ने हमारे ग्रह के प्राकृतिक संसाधनों पर बहुत गहरा प्रभाव डाला है, जिससे हम सभी भलीभांति परिचित हैं और इसीलिए आज आवश्यक हो चला है कि हम प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण करें अन्यथा आने वाले समय में प्राकृतिक वस्तुएं गिनती मात्र की रह जाएगी। पृथ्वी के प्राकृतिक संसाधनों में हवा, पानी , मिट्टी खनिज,ईंधन, पौधे,जानवर शामिल है । इन संसाधनों की देखभाल करना और इनका सीमित उपयोग करना ही पर्यावरण संरक्षण है। संरक्षणवादियों का कहना है कि बेहतर भविष्य के लिए विकास आवश्यक है लेकिन उनका उपयोग ही इस प्रकार से हो तो यह विकास नहीं वरन आने वाली पीढ़ियों के लिए विनाश का सबब बनता है। पिछली दो शताब्दियों में जनसंख्या वृद्धि हुई है अरबों लोग संसाधनों का इस्तेमाल करते हैं क्योंकि वे भोजन और घरों का निर्माण करते हैं , वस्तुओं का उत्पादन करते हैं और परिवहन और बिजली के लिए ईंधन जलाते हैं। हम जानते हैं कि जीवन की निरंतरता प्राकृतिक संसाधनों के सावधान उपयोग पर निर्भर करती है अतः संसाधनों को संरक्षित करने की आवश्यकता और भी बढ़ जाती है । हम रीसाइकलिंग प्रक्रिया , जीवाश्म ईंधन का संरक्षण, कुशल मांग प्रबंधन नीति संसाधनों के उचित प्रबंधन आदि माध्यमों से पर्यावरण संरक्षण कर सकते हैं । अतः आप सभी से अपील है कि प्राकृतिक वस्तुओं का अनावश्यक उपयोग ना कर आने वाले समय के लिए एक मिसाल बनें। संरक्षण और प्रबंधन में सक्रिय भागीदार बने।

देव ईश की कृपा से,
अनुप रहा रस रंग ।।
सुर संगम को हमने,
लगा लिया है अंग ।।

~कमल किशोर दाधीच

एक एक बूंद पानी की घड़ा भर देती है, ठीक आपका एक एक कदम आगे चलकर पूरे युवा पीढ़ी को, समाज को पूरे काफिले को नई दिशा प्रदान करने में सक्षम होगा। ये मुझे पक्का विश्वास है। आपके हर प्रयास समाज हित ही नहीं बल्कि नए विचारों से नया नाम, नई पीढ़ी को संस्कारवान के साथ साथ अंदर छिपे कलाकारों को उनके व्यक्तित्व को ऊंचे शिखर तक ले जा रहे हैं।

-देवेन्द्र शास्त्री

सम्मानीय बन्धुओं से आग्रह है बुलेटिन के लिए अधिक से अधिक रचनाएँ प्रेषित करें।

यह पत्रिका निःशुल्क है, परिजनों को भी भेजें और नए पहलुओं से परिचय करवाएं।

E-mail- dadheech@ditfindia.org

YASHRAJ CREATIONS, 98294 46940